SUBJECT CODE : XS/C-HNA-(Comp.)-S/C (Core)
Science/Commerce

2017

61

No. of Questions - 12] *[No. of Printed Pages - 8*

CLASS - XI

HINDI - A (CORE)

(Compulsory)

Full Marks - 90

Pass Marks - 30

Time - 3 Hours

Oral examination of 10 marks will be taken separately.

10 अंकों की मौखिक परीक्षा अलग से होगी ।

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।

Figures in the margin indicate full marks.

उपांत के अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।

सभी प्रश्नों के उत्तर दें ।

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक बार-बार पढ़-समझ कर तत्संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2 \times 5 = 10$

यदि व्यक्ति ईमानदारी के तरीकों का सहारा लेता है, तो उसकी विजय अवश्य होगी । कोई व्यक्ति ऐसा नहीं है, जो उसे डिगा दे । वह स्वतः खतरे का सामना करेगा । यह निश्चय ही जीवन की सर्वोत्तम नीति है । महान व्यक्तियों ने ईमानदारी की कीमत को साबित कर दिया है । ईमानदार और सत्यवादी लोग निश्चय ही महान होते हैं । गाँधी और कबीर का उदाहरण हमारी आँखों के सामने है । ईमानदारी चरित्र में समन्वय लाती है । यह आध्यात्मिक शक्ति प्रदान करती है । एक बलवान व्यक्ति बलहीन को दबा सकता है, किन्तु उसकी आत्मा नहीं दबाई जा सकती । यदि मनुष्य अपने जीवन में सफल होना चाहता है, तो उसे ईमानदारी अपनानी चाहिए । यह मनुष्य के लिए सर्वोत्तम नीति है । ईमानदार व्यक्ति जीवन में शांति का आनन्द लेते हैं । सभी ज्ञानी जन इस गुण को प्रधान गुण मानते हैं । यदि संसार के सभी देश ईमानदारी के मूल्य को समझें, तो संसार शाश्वत शांति और चैन के आनन्द को प्राप्त करेगा ।

प्रश्न :

(क) किन तरीकों का सहारा लेने से व्यक्ति को विजय की प्राप्ति होती है ?

(ख) जीवन की सर्वोत्तम नीति क्या है ?

(ग) किसी बलवान व्यक्ति द्वारा भी किसे दबाया नहीं जा सकता ?

(घ) किस समस्या के समाधान में ईमानदारी की नीति सर्वोत्तम है ?

(ङ) ईमानदारी के मूल्यों को समझ लेने से क्या होगा ?

2. अधोलिखित पद्यांश को पढ़कर पद्यांश से संबंधित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखें : $2 \times 5 = 10$

"चाह नहीं मैं सुरबाला के गहनों में गूँथा जाऊँ ।
चाह नहीं, प्रेमी माला में बिंध प्यारी को ललचाऊँ ।।
चाह नहीं, चढ़ूँ देवों के सिर, निज भाग्य पर इठलाऊँ।
चाह नहीं, हे हरि ! सम्राटों के शव पर डाला जाऊँ ।।
मुझे तोड़ लेना वनमाली, उस पथ पर देना तुम फेंक ।
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने, जिस पथ जाएँ वीर अनेक ।।"

प्रश्न :

(क) इस पद्यांश में किसकी चाह प्रकट हुई है ?

(ख) 'सुरबाला' तथा 'वनमाली' दोनों शब्दों के अर्थ लिखें ।

(ग) पद्यांश में चाहक किससे, क्या निवेदन कर रहा है ?

(घ) इस पूरे पद्यांश में कौन-सा भाव प्रकट हुआ है ?

(ङ) पद्यांश का एक सुन्दर-सा शीर्षक लिखिए ।

3. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर लगभग 150 शब्दों में निबंध लिखें : 10

(क) बिहार में शराबबंदी : एक सराहनीय पहल

(ख) नारी जागरण

(ग) आतंकवाद : एक वैश्विक समस्या

(घ) परहित सरिस धरम नहीं भाई ।

4. गंदगी और मच्छड़ों के बढ़ते प्रकोप से नगरवासी परेशान हैं । इससे अविलम्ब निजात हेतु प्रशासक, नगर निगम के नाम एक प्रार्थनापत्र लिखें । 5

अथवा

गाँव में पेयजल समस्या-समाधान हेतु प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को एक आवेदन पत्र लिखें ।

5. प्रिंट मीडिया **अथवा** प्रिंट माध्यम से आप क्या समझते हैं ? 5

अथवा

'चरित्र धन सर्वोपरि' **अथवा** 'स्वास्थ्य सबसे बड़ी सम्पत्ति' पर एक आलेख प्रस्तुत करें ।

6. किसी **एक** काव्यावतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 6

"और माँ बिन-पढ़ी मेरी, दुःख में वह गढ़ी मेरी ।
माँ कि जिसकी गोद में सिर, रख लिया तो दुख नहीं फिर।।"

अथवा

"हम तो एक एक करि जांनां ।
दोइ कहै तिन हीं कौं दो जग जिन नाहिंन पहिचांनां ।।
एकै पवन एक ही पानीं एकै जोति समांनां ।
एकै खाक गढ़े सब भांड़ैं एकै कोंहरा सांनां ।।"

7. निम्नलिखित में से किसी **एक** का काव्य सौन्दर्य स्पष्ट करें : 5

"बिका दिया घर-द्वार, महाजन ने न व्याज की कौड़ी छोड़ी।
रह-रह कर आँखों में चुभती, कुर्क हुई बरधों की जोड़ी।।"

अथवा

"मौत के आगे न हिचकें, शेर के आगे न बिचकें ।
बोल में बादल गरजता, काम में झंझा लरजता ।।"

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $3 \times 3 = 9$

(क) कबीर ने ऐसा क्यों कहा कि संसार बौरा गया है ?
(ख) मीरा जगत को देख कर क्यों रोती है ?
(ग) पथिक का मन कहाँ विचरना चाहता है ?
(घ) कवि ने अपने घर को 'परिताप का घर' क्यों कहा ?
(ङ) 'भाषा में झारखण्डीपन' से क्या अभिप्राय है ?

9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर इससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखें : $2 \times 3 = 6$

यहाँ की प्रजा ने आपकी जिद्द का फल यहीं देख लिया । उसने देख लिया कि आपकी जिस जिद्द ने इस देश की प्रजा को पीड़ित किया, आपको भी उसने कम पीड़ा न दी । यहाँ तक कि आप स्वयं उसका शिकार हुए । यहाँ की प्रजा वह प्रजा है, जो अपने दुख और कष्टों की अपेक्षा परिणाम का अधिक ध्यान रखती है । वह जानती है कि संसार में सब चीजों का अन्त है । दुख का समय भी एक दिन निकल जायगा । इसी से सब दुखों को झेल कर, पराधीनता सह कर भी वह जीती है । माई लॉर्ड ! इस कृतज्ञता की भूमि की महिमा आपने कुछ न समझी और न यहाँ की दीन प्रजा की श्रद्धा-भक्ति अपने साथ ले जा सके, इसका बड़ा दुख है ।

प्रश्न :

(क) यहाँ की प्रजा ने जिद्द के फल को कैसे देखा ?
(ख) यहाँ की प्रजा दुख और कष्टों की अपेक्षा किसका ध्यान अधिक रखती है ?
(ग) लेखक को किस बात का दुख है ?

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखें :

$3 \times 3 = 9$

(क) "जामुन का पेड़" शीर्षक कथा के माध्यम से लेखक ने तीखा व्यंग्य वाण छोड़ा है । कैसे, किसके प्रति ? स्पष्ट करें ।

(ख) लेखिका मियाँ नसीरुद्दीन के पास क्यों गई थी ?

(ग) 'पथेर पंचाली' फिल्म की शूटिंग ढाई साल तक क्यों चली ?

(घ) धनराम मोहन को अपना प्रतिद्वंद्वी क्यों नहीं समझता था ?

(ङ) बंबई में रह कर कला के अध्ययन के लिए रजा ने क्या-क्या संघर्ष किए ?

11. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखें :

$3 \times 3 = 9$

(क) लेखक ने लता की गायकी की किन विशेषताओं को उजागर किया है ?

(ख) पानी का समस्या से निपटने में 'राजस्थान की रजत बूँदें' शीर्षक पाठ आपकी कैसे मदद कर सकता है ?

(ग) राजस्थान में कुंई किसे कहते हैं ? सामान्य कुओं से इसका अन्तर स्पष्ट करें ।

(घ) स्पष्ट करें कि 'आलो आंधारि' रचना में बेवी की व्यक्तिगत समस्याओं सहित कई सामाजिक समस्याएँ निहित हैं ।

(ङ) 'आलो आंधारि' के आधार पर यह बतलाएँ कि घरेलू नौकरों को किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है ?

12. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखें : 6

(क) शास्त्रीय एवं चित्रपट दोनों तरह के संगीत के महत्त्व का आधार क्या होना चाहिए ? कुमार गंधर्व की इस संबंध में क्या राय है ?

अथवा

(ख) पठित पाठ के आधार पर यह बतलाएँ कि चेजारो के साथ गाँव-समाज के व्यवहार में पहले की अपेक्षा आज क्या फर्क आया है ।